होती है

(ii) Behavioural model

मनोवैज्ञानिक कारणों की भूमिका पर बल देने वाला यह प्रतिरूप, सामान्य एवं असामान्य दोनों प्रकार के व्यवहारों को अधिगत होने की श्रेणी में रखता है चूंकि यह प्रतिरूप उन व्यवहारों पर अधिक प्रभाव डालता है जो अनुबन्ध के कारण अधिगत किये गये हैं। इसलिए इसे व्यवहारात्मक प्रतिरूप कहा गया है।

(iii) Social cultural model

इस प्रतिरूप के सिद्धान्तवादियों के कथनानुसार जिन लोगों में कुछ समस्याएँ होती हैं। उनमें असामान्य व्यवहारों की उत्पत्ति सामाजिक संस्थाओं एवं भूमिकाओं से प्रभावित

Scanned with CamScanner

होती है जबकि सामाजिक प्रवृत्तियां द्वारा ही विकसित होता है।

iv) Diathesis-stress model

दोषोन्मुखता के कारण किसी मनोवैज्ञानिक विकार के प्रति दोषपूर्ण प्रवृत्ति उत्पन्न हो जाती है। जिसका तात्पर्य यह होता है कि व्यक्ति उस विकार हेतु प्रवृत्त है।

होता है कि व्यक्ति उस विकार के विकास हेतु पूर्ववृत्त है सकता है—

विभिन्न स्तर के मानसिक मंदन वाले व्यक्तियों के अभिलक्षण

कार्य क्षेत्र	निम्न (बुद्धिलब्धि प्रसार = 50–70)	सामान्य (बुद्धिलब्धि प्रसार = 35–49)	तीव्र (बुद्धिलब्धि प्रसार = 20–34) और अतिगम्भीर (बुद्धिलब्धि प्रसार = 20 से कम)
आत्म-अवलम्बन	स्वयं भोजन करना एवं कपड़े पहनना तथा अपनी शौचक्रिया का ध्यान स्वयं रखना।	इनकी कठिनाई होती है और प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है लेकिन पर्याप्त स्व-सहायता कौशल सीख सकते हैं।	कोई कौशल नहीं या थोड़ा-बहुत, परन्तु कुछ थोड़ा-बहुत निजी काम कर सकते हैं।
भाषा और प्रेषण	पर्याप्त ग्राही एवं अभिव्यक्ति-परक भाषा; सम्प्रेषण को समझ सकते हैं।	पर्याप्त ग्राही एवं अभिव्यक्ति-परक् भाषा; वाक्-समस्या होती है।	ग्राही भाषा सीमित होती है; अभिव्यक्तिपरक् भाषा खराब होती है।
शैक्षिक (पठन-पाठन)	उपयुक्त अधिगम पर्यावरण; तीसरी से छठी कक्षा	सीमित शैक्षिक कौशल, पहली या दूसरी कक्षा तक अधिकतम।	शून्य शैक्षिक कौशल।
सामाजिक कौशल	मित्र होते हैं; समायोजन तुरन्त सीख लेते हैं।	मित्र बनाने में समर्थ होते हैं लेकिन अनेक सामाजिक स्थितियों में परेशानी का अनुभव।	मित्र बनाने की क्षमता नहीं; कोई सामाजिक अंतःक्रिया नहीं।
व्यावसायिक समायोजन	नौकरी कर सकते हैं प्रति-स्पर्धात्मक से अर्ध-प्रतिस्प-र्धात्मक; मुख्यतः अकुशल काम।	परिरक्षित कार्य पर्यावरण; निरन्तर देखे जाने की आवश्यकता।	कोई रोजगार नहीं; निरन्तर देखभाल की आवश्य्गकता।
वयस्क जीवन	सामान्य तौर पर विवाह करते हैं, बच्चे भी होते हैं; दबाव के दौरान सहायता की आवश्यकता।	सामान्य तौर पर न विवाह, न बच्चे; पराश्रित।	न विवाह, न बच्चे; सदा दूसरों पर आश्रित।

Scanned with CamScanner